

SHREE GOVIND GURU UNIVERSITY

GODHARA

U.G COURSES IN HINDI

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

[COURSE: B.A. SEMESTER – III

यु.जी.सी. के अनुसार सेमेस्टर - III

हिन्दी विषय के स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम का प्रारूप एवं संरचना

वर्ष – २०१७-२०१८

BY

SYLLABUS COMMITTEE – HINDI

सेमेस्टर- III (द्वितीय वर्ष बी.ए)

COURSES: (प्रश्नपत्र) **CREDIT- 4**

CORE HIN 201 (मुख्य) आधुनिक हिन्दी कविता - ३

CORE HIN 202 (मुख्य) हिन्दी नाटक और एकांकी

CORE HIN 203 (मुख्य) हिन्दी साहित्य का इतिहास - आदिकाल और निर्गुण भक्तिकाल

ELECTIVE-I HIN 201 (गौण) आधुनिक हिन्दी कविता - ३

ELECTIVE-I HIN 202 (गौण) हिन्दी नाटक और एकांकी

यु.जी.सी. के अनुसार सेमेस्टर - III

हिन्दी विषय के स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम का प्रारूप एवं संरचना

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

२०१ आधुनिक हिन्दी कविता [Core course & Elective-I- CREDIT- 4]

युनिट	पाठ्यक्रम	
१	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	१ नये जमाने की मुकरिया २ मातृभाषा प्रेम पर दोहे
	अयोध्योसिंह उपाध्याय 'हरिऔध'	१ फूल और काँटा २ कर्मवीर
२	मैथिलीशरणगुप्त	१ नर हो न निराश करो मन को २ कर्तव्य-पथ
	बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'	१ विप्लव गायन २ भिक्षा
३	जयशंकर प्रसाद	१ हिमाद्रि तुंग श्रृंग से २ नारी तुम केवल श्रद्धा हो
	सुमित्रानंदन पंत	१ ताज २ आःयह धरती कितना देती है
४	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	१ तोड़ती पत्थर २ सरोजस्मृति
	महादेवी वर्मा	१ वे मुस्काते फूल नहीं २ मैं नीर भरी दुःख की बदली

संदर्भ ग्रंथ :

- १ छायावाद – डॉ. नामवरसिंह
- २ छायावाद के आधारस्तंभ - गंगाप्रसाद पाण्डेय
- ३ छायावादी कवियों का सौंदर्य – डॉ. सूर्यप्रसाद दक्षित
- ४ स्वच्छंदतावादी काव्यधारा – प्रेमशंकर
- ५ निराला की साहित्य साधना – रामविलास शर्मा
- ६ जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे बाजपेयी
- ७ प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर
- ८ हिन्दी कविता तीन दशक - डॉ. रामदरशमिश्र
- ९ आधुनिक हिन्दी काव्य के नवरत्न – रमेशचंद्र शर्मा

१० हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि - द्वाशीका प्रसाद सक्सेना

११ मैथिलीशरण गुप्त - व्यक्तित्व एवं कृतित्व - दानबहादुर पाठक

१२ राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त - शैली वैज्ञानिक अध्ययन - डॉ. मनमोहन गोस्वामी

१३ महादेवी का काव्य : वस्तु और शिल्प - डॉ. राधिकासिंह

१४ महादेवी के काव्य में बिम्बविधान - डॉ. माणिक्याम्बा मणि

२०२ हिन्दी नाटक और एकांकी [Core course & Elective-I, CREDIT- 4]

पाठ्यपुस्तक : १ अंजो दीदी - उपेन्द्रनाथ अशक नीलाभ प्रकाशन-इलाहाबाद

पाठ्यपुस्तक : २ नये रंग एकांकी - संपादक - उपेन्द्रनाथ अशक, नीलाभ प्रकाशन-इलाहाबाद

युनिट	पाठ्यक्रम	
१	नाटक अंजो दीदी - उपेन्द्रनाथ अशक	
	१	उपेन्द्रनाथ अशक व्यक्तित्व एवं कृतित्व
	२	नाटक का कथासार
	३	नाटक के तत्वों के आधार पर मूल्यांकन
२	१	अंजो दीदी की प्रासंगिकता
	२	अंजो दीदी की समस्याएँ
	३	अंजो दीदी के पात्र
३	एकांकी	
	१	बाहर का आदमी : लक्ष्मीनारायण लाल
	२	आवाज का नीलाम: धर्मवीर भारती
४	एकांकी	
	१	प्यालियाँ टूटती हैं : मोहन राकेश
	२	वे नाक से बोलते हैं : सुरेन्द्र वर्मा

संदर्भ ग्रंथ:

१ हिन्दी नाटक उदभव और विकास - दशरथ ओझा

२ आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच - लक्ष्मीनारायण लाल

३ हिन्दी नाटक का आत्म संघर्ष - गिरीश रस्तोगी

४ एकांकी और एकांकी कार - रामचरण महेन्द्र

५ हिन्दी एकांकी का रंगमंचीय अनुशीलन - भुवनेश्वर महतो

६ हिन्दी एकांकी की शिल्पविधि का विकास - सिद्धनाथ कुमार

७ हिन्दी नाटक - बच्चनसिंह

८ हिन्दी नाट्यशास्त्र का स्वरूप – डॉ. नर्मदेश्वर राय

९ रंग दर्शन – नेमिचन्द्र जैन

१० समस्या नाटककार अशक - डॉ. उमाशंकरसिंह

११ उपेन्द्रनाथ अशक का नाट्य साहित्य – महमूद रसूल पटेल

१२ उपेन्द्रनाथ अशक के नाटक - डॉ. पी. जे. शिवकुमार

१३ धर्मवीर भारती : युग चेतना और अभिव्यक्ति – डॉ. सरिता शुक्ला

२०३ हिन्दी साहित्य का आदिकाल और निर्गुण भक्तिकाल [Core course- CREDIT- 4]

युनिट	पाठ्यक्रम
१	हिन्दी साहित्य का आदिकाल
	<ul style="list-style-type: none">- हिन्दी साहित्य के आदिकाल के नामकरण की समस्या और परिस्थितियाँ का परिचय- आदिकाल- की प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ- रासो साहित्य- सिद्ध साहित्य- नाथ साहित्य- जैन साहित्य- लौकिक साहित्य
२	भक्तिकाल
	<ul style="list-style-type: none">- भक्तिकाल की परिस्थितियाँ- भक्ति का स्वरूप, परिभाषा- भक्ति के प्रकार- भक्तिकाल की प्रवृत्तियाँ
३	निर्गुण ज्ञानाश्रयी शाखा
	<ul style="list-style-type: none">- निर्गुण भक्ति का स्वरूप और उसकी विशेषताएँ- ज्ञानाश्रयी शाखा की प्रवृत्तियाँ- कबीर- रैदास
४	निर्गुण प्रेमाश्रयी शाखा
	<ul style="list-style-type: none">- प्रेमाश्रयी शाखा की प्रवृत्तियाँ- प्रेमाश्रयी शाखा के प्रमुख कवि- मलिक मुहम्मद जायसी- कुतुबन- प्रेमाश्रयी शाखा की प्रमुख कृतियाँ- पद्मावत- मधुमालती

संदर्भ ग्रंथ:

- १ हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचन्द्र शुक्ल
- २ हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी
- ३ हिन्दी साहित्य का अतीत – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- ४ हिन्दी साहित्य इतिहास – सं.डॉ.नगेन्द्र
- ५ हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- ६ हिन्दी साहित्य उद्भव और विकास - हजारी प्रसाद द्विवेदी
- ७ हिन्दी साहित्य का आदिकाल - हजारी प्रसाद द्विवेदी
- ८ हिन्दी साहित्य का बृहत इतिहास – नागरी प्रचारिणी सभा
- ९ हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चनसिंह
- १० नाथपंथ और संत साहित्य- नागेन्द्रनाथ उपाध्याय
- ११ संत साहित्य – राधेश्याम दुबे
- १२ कबीर - हजारी प्रसाद द्विवेदी
- १३ हिन्दी काव्य की निर्गुणधारा में भक्ति – श्यामसुन्दर शुक्ल
- १४ कबीर की विचारधारा - गोविंद त्रिगुणायत
- १५ कबीर साहित्य की परख - आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
- १६ हिन्दी सूफी काव्य की भूमिका – रामपूजन तिवारी
- १७ सूफी कविता की पहचान – यश गुलाटी
- १८ जायसी का पद्मावतः काव्य तथा दर्शन - गोविंद त्रिगुणायत
- १९ जायसी का काव्य – सरोजनी पाण्डेय
- २० हिन्दी में सूफी प्रेमाख्यान – आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
- २१ निर्गुण काव्यः प्रेरणा और प्रवृत्ति – डॉ. रामसजन पाण्डेय